श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय,
बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)
Sri Dev Suman Uttarakhand University
Badshahithaul Tehri Garhwal (Uttarakhand) -249 199

Mail:registrarsdsu2018@gmail.com,
coesdsuv@gmail.com
Website: www.sdsuv.ac.in

Ref.No. 353 /SDSUV/Conf./Exam/2025 Dated- 21 .04.2025

कार्यालय आदेश

श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्याल से सम्बद्ध समस्त परिसर/राजकीय महाविद्यालय/स्ववित्त पोषित संस्थानों को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय की आधारभूत पाठ्यक्रमों की सम सैमेस्टर परीक्षायें दिनांक 13 मई, 2025 से होनी प्रस्तावित/निर्धारित हैं, जिस हेतु एनईपी षष्टम् सेमेस्टर के छात्रों द्वारा लघु शोध परियोजना कार्य दिनांक 01 मई, 2025 तक अनिवार्य रूप से संबंधित विभाग में जमा कराना आवश्यक है।

लघु शोध से संबंधित समस्त प्रावधान विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किये गये हैं।

अतः समस्त निदेशकों/प्राचायों से अनुरोध है कि उपरोक्तानुसार अवगत होते हुये छात्र/छात्राओं को सूचित करने का कष्ट करें।

21/4/25

डॉ0(प्रो0)सी0 एस0 नेगी
परीक्षा नियंत्रक

प्रतिलिपिः— निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजि सचिव कुलपति, मा0 कुलपति महोदय के सादर सूचनार्थ।
2. कुलसचिव।
3. सहायक परीक्षा नियंत्रक (मुख्य/व्यावसायिक)।
4. श्री दीपक उपाध्याय को इस आशय से प्रेषित की उक्त विज्ञप्ति को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करवाना सुनिश्चित करें।
5. कार्यालय प्रति।

डॉ0(प्रो0)सी0 एस0 नेगी
परीक्षा नियंत्रक

पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर, ऋषिकेश
श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
Email: sdsuvrishikesh@gmail.com

कार्यालय ज्ञाप सं0 : 10/2024-25 दिनांक : 20.03.2025

कार्यालय ज्ञाप

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि एन0ई0पी0-2020 के अनुसार शोध परियोजना कार्य हेतु निम्न प्रावधान किए गए है :

(i) स्नातक/स्नातकोत्तर (पी0जी0डी0आर0) स्तर पर विद्यार्थी को प्रत्येक सेमेस्टर (पांचवें से ग्यारहवें सेमेस्टर तक) में शोध परियोजना करनी होगी। विद्यार्थी को तीसरे वर्ष में लघु शोध परियोजना तथा चतुर्थ व पंचम वर्ष में वृहद शोध परियोजना करनी होगी। पी.जी.डी.आर. में शोध परियोजना का स्वरूप विश्वविद्यालय अपने प्री-पी0एचडी0 कोर्स वर्क के अनुसार निर्धारित करेगा।

(ii) विद्यार्थी द्वारा चुने गए तीसरे वर्ष के दो मुख्य विषयों में से किसी एक विषय एवं चतुर्थ, पंचम षष्टम वर्ष के मुख्य विषय से सम्बन्धित शोध परियोजना करनी होगी। यह शोध परियोजना Interdisciplinary भी हो सकती है। यह शोध परियोजना इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग/इंटर्नशिप/सर्वे वर्क इत्यादि के रूप में भी हो सकती है।

(iii) शोध परियोजना एक शिक्षक सुपरवाइजर के निर्देशन में की जाएगी, एक अन्य को सुपरवाइजर किसी उद्योग/कम्पनी/तकनीकी संस्थान शोध संस्थान से भी लिया जा सकता है।

(iv) विद्यार्थी वर्ष के अंत में दोनों सेमेस्टर में की गई शोध परियोजना का संयुक्त प्रबंध Report/Dissertation जमा करेगा, जिसका मूल्यांकन वर्ष के अंत में सुपरवाइजर एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में से किया जाएगा।

(v) स्नातक स्तर एवं पी.जी.डी.आर. के विद्यार्थी की ग्रेड शीट पर शोध परियोजना के प्राप्तांकों पर आधारित ग्रेड तो अंकित होंगे परन्तु उन्हें सी.जी.पी.ए. की गणना में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

(vi) स्नातक (शोध सहित) एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी को प्रत्येक सेमेस्टर में चार क्रेडिट की शोध परियोजना करनी होगी। शोध परियोजना के प्राप्तांकों पर आधारित ग्रेड अंकित होंगे तथा उन्हें सी.जी.पी.ए. की गणना में भी सम्मिलित किया जाएगा।

(vii) पंचम/षष्टम सेमेस्टर में जिस छात्र द्वारा शोध परियोजना का चयन किया गया है, उसे शोध परियोजना की तीन प्रतियां तैयार करनी होंगी, जिसमें से एक प्रति संबंधित विभाग, दूसरी प्रति संबंधित संस्थान के पुस्तकालय में रखी जाएगी एवं तीसरी प्रति छात्र स्वयं रखेगा।

अतः विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त संस्थान अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को तदनुसार अवगत कराने का कष्ट करें।

(डॉ0 डी0सी0 गोस्वामी)
संयोजक एन0ई0पी0